वीर चन्द्र सिंह गढ़वाली उत्तराखंड औद्यानिकी एवं वानिकी विश्वविद्यालय

वानिकी महाविद्यालय, कृषिमौसम प्रक्षेत्र इकाई

रानीचौरी, टिहरी गढ़वाल-249199 (उत्तराखण्ड)

फोन नंबर : 01376-252 150

कृषिमौसम सलाह सेवा बुलेटिन, जनपद - चमोली

दिनांक- 30 नवम्बर, 2018

भारत सरकार के पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय द्वारा वित्त पोषित मध्यम अवधि मौसम पूर्वानुमान आधारित ग्रामीण कृषि मौसम सेवा परियोजना के अंतर्गत मौसम केन्द्र, देहरादून से प्राप्त मौसम पूर्वानुमानित आँकड़ों के आधार पर उत्तराखण्ड के जनपद चमोली में अगले पाँच दिनो निम्न मौसम रहने की सम्भावना व्यक्त की जाती है :-

(between 0830 hours of Yesterday & 0830 hours Today)					
मौसम प्राचल/दिनांक	**01-12-2018** (30 नवम्बर सुबह 08:30 बजे से 01 दिसम्बर सुबह 08:30 बजे तक)	**02-12-2018** (01 दिसम्बर सुबह 08:30 बजे से 02 दिसम्बर सुबह 08:30 बजे तक)	**03-12-2018** (02 दिसम्बर सुबह 08:30 बजे से 03 दिसम्बर सुबह 08:30 बजे तक)	**04-12-2018** (03 दिसम्बर सुबह 08:30 बजे से 04 दिसम्बर सुबह 08:30 बजे तक)	**05-12-2018** (04 दिसम्बर सुबह 08:30 बजे से 05 दिसम्बर सुबह 08:30 बजे तक)
वर्षा (मि.मी.)	**0.0**	**0.0**	**0.0**	**0.0**	**0.0**
आसमान में बादल आच्छादन (ओक्टा: 0 से 8) 0 ओक्टा (पूरी तरह से साफ आसमान) 8 ओक्टा (पूरी तरह बादलों से घिरा आसमान)	मुख्यतः साफ (1 ओक्टा)	मुख्यतः साफ (1 ओक्टा)	साफ आसमान (0 ओक्टा)	मुख्यतः साफ (1 ओक्टा)	मुख्यतः साफ (2 ओक्टा)
अधिकतम तापमान (डिग्री सेल्सियस)	23	22	22	21	20
न्यूनतम तापमान (डिग्री सेल्सियस)	8	7	7	6	7
अधिकतम सापेक्षित आर्द्रता (%)	85	85	80	80	80
न्यूनतम सापेक्षित आर्द्रता (%)	45	40	40	40	40
वायु की औसत गति (कि.मी./घंटा)	6	6	4	4	4
वायु की दिशा	उत्तर-पश्चिम	उत्तर-पश्चिम	उत्तर-पश्चिम	उत्तर-पश्चिम	उत्तर-पश्चिम

कृषि मौसम विज्ञान वेधशाला, रानीचौरी, टिहरी गढ़वाल(समुद्रतल से ऊँचाई-1827 मीटर)के प्रेक्षण अनुसार विगत सप्ताह (24-30 नवम्बर, 2018, सुबह 08:30 तक); 27-28 नवम्बर को बादल छाये रहने के साथ शेष दिनों साफ मौसम रहा व बारिश नहीं हुई।दिन का अधिकतम तापमान 15.9 से 18.6 डिग्री सेल्सियस तथा न्यूनतम तापमान 4.8 से 7.1 डिग्री सेल्सियस रहा | इस दौरान पूर्वाहन 07:16 बजे सापेक्षित आर्द्रता 72 से 100 प्रतिशत तथा अपराह्न 14:16 बजे को 54 से 84 प्रतिशत के मध्य रही| हवा की औसत गति 3.9 से 5.1किमी० प्रति घंटा रही| सप्ताह के दौरान हवा मुख्यतः दक्षिण-पूर्व व दक्षिण-पश्चिम दिशा से चली|

फसल	**अवस्था**	**फसल**	**अवस्था**
गेहूं, जौ, मसूर, सरसों (असिंचित ऊंचाई क्षेत्र)	अंकुरण	**प्याज, लहसुन**	पौधशाला/पौध
राई, पालक, मेथी, धनिया	वानस्पतिक बढ़वार	**सब्जी मटर, तोरिया (असिंचित_ऊंचाई क्षेत्र)**	दाना बनना
तेज मिर्च	परिपक्वता	**तोरिया**	फली बनना
फूल गोभी, ब्रोकली, बंद गोभी (घाटी क्षेत्र)	पौध	**माल्टा**	फल वृद्धि/पकना

कृषि मौसम सलाह समिति द्वारा किसानों हेतु कृषि सलाह

- तापमान धीरे-धीरे कम हो रहा है अतः किसान भाई गेहूँ जौ, सरसों, मसूर आदि की बुवाई शीघ्र संपन्न करें| बुवाई पूर्व बीज को बाविस्टिन या थायरम @ 2-2.5 ग्राम प्रति कि.ग्रा. बीज की दर से उपचारित करें|
- मुख्यतः साफ मौसम रहने व बारिश नहीं होने के पूर्वानुमान को ध्यान रखते हुए सलाह है सिंचित घाटी क्षेत्रों में गेंहू, जौ की ताज मूल जड़ अवस्था (CRI) पर पहले सिंचाई करें|
- प्याज पौध तैयार हो तो फफूंदनाशक से जड़ शोधन पश्चात प्रत्यारोपण करें| जड़ शोधन करने से रोग प्रतिरोधक क्षमता का विकास होता है|
- प्याज पौधशाला में पत्तियों में पीलापन के साथ पत्तियां मुरझा रही हो तो **(कमरतोड़ बीमारी/Damping off disease)** 02ग्राम मेन्कोजेब +01ग्राम कार्बेन्डाजिम +01मिली0 कीटनाशक को प्रति लीटर पानी की दर से घोल बनाकर पौधशाला को सींच (drenching) दें|
- घाटी क्षेत्रों में फूल गोभी, बंद गोभी, ब्रोकली का प्रत्यारोपण करें| रोपाई पश्चात हल्की सिंचाई करें||
- शीतोष्ण बागानों में बरसात मौसम में उगी झाड़ियों तथा जमीन पर गिरी पत्तियों को एकत्र कर नष्ट कर दें| सेब, नाशपाती आदि वृक्षों के थालों की सफाई कार्य करें| छोटे फल पौध को पाले से बचाने के लिए लकड़ी/घास-फूस का छप्पर से ढक कर रखें|
- सेब, नाशपाती, अखरोट आदि के लिए नया बगीचा स्थापित करने के लिए गड्डा खुदाई कार्य करें|
- नवजात बछड़ों को सुबह व शाम के समय ढक कर रखें| पशुचिकित्साधिकारी से परामर्श लेकर 4-6 माह के मादा बछियों को संक्रामक गर्भपात (ब्रुसिलोसिस) का टीकाकरण करवाएं जिससे रोग प्रतिरोधक क्षमता जीवन भर बनी रहती है|यह टीकाकरण नर बछियों को नहीं लगाया जाता है|
- टीकाकरण के 2 हप्ते पहले कृमिनाशक दवा (*पिप्राजिन*) की उचित मात्रा का सेवन करवाएं|
- भेड़ बकरियों को सुबह 9-10 बजे के आसपास जब घास/चारे में ओस की बूंदों का असर समाप्त हो जायें चरागाह में चुगान हेतु ले जायें|

नोडल अधिकारी
कृषि मौसम प्रक्षेत्र इकाई, रानीचौरी

तकनीकी अधिकारी
कृषि मौसम प्रक्षेत्र इकाई, रानीचौरी

Note: जनपदस्तरीय मौसम पूर्वानुमान एवं कृषि सलाह सप्ताह में मगलवार और शुक्रवार को जारी की जाती है|
SMS हेतु कृषक पंजीकरण: http://imdagrimet.gov.in/farmer/Form.php
जनपदस्तरीय कृषि मौसम सेवा बुलेटिन: http://www.imdagrimet.gov.in/node/3498